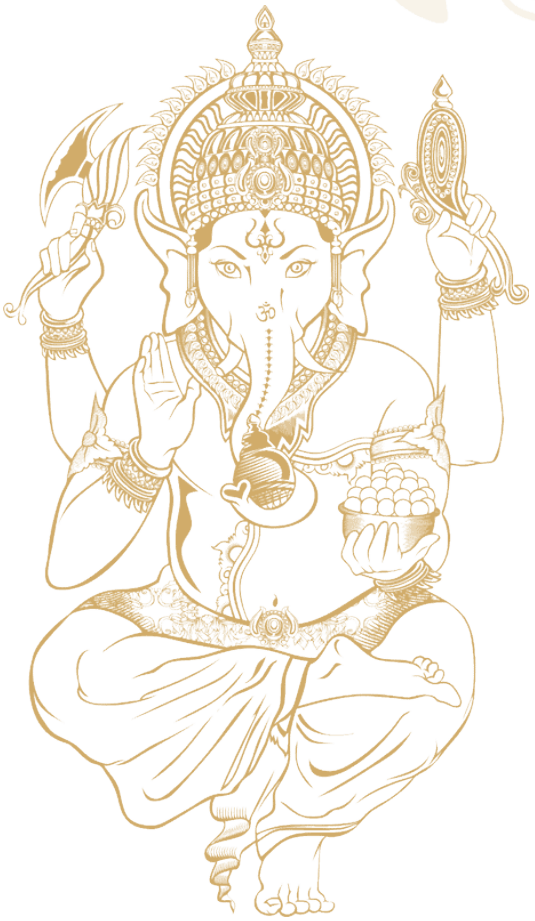

Mr.

12 Sep 1987

06:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121176608

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/09/1987**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	01:04:19 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:28 घंटे
साम्पातिक काल	05:30:54 घंटे
सूर्योदय	06:04:16 घंटे
सूर्यास्त	18:30:30 घंटे
दिनमान	12:26:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:03:45 सिंह
लग्न के अंश	29:54:27 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:54:27	317:47:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			सिंह	25:03:45	00:58:21	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			मेष	20:47:42	13:07:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	19:11:15	00:38:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			कन्या	13:23:00	01:32:28	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	05:09:49	00:04:28	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	कन्या	00:27:12	01:14:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि			वृश्चि	21:18:04	00:02:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	08:43:16	00:01:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	08:43:16	00:01:27	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:04:44	00:00:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:33:10	00:00:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	14:19:11	00:01:45	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			वृष	29:38:09	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:06

लग्न-चलित

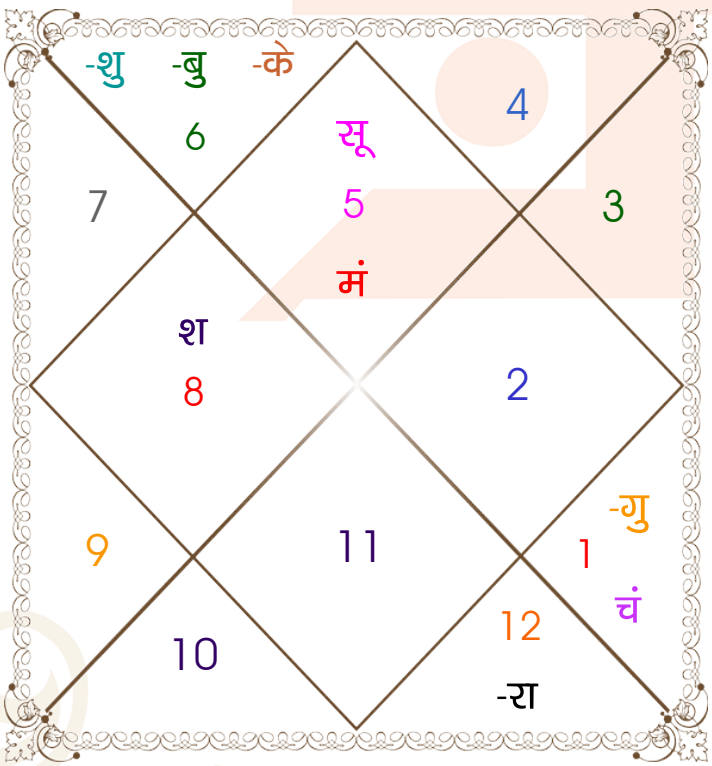

चन्द्र कुंडली

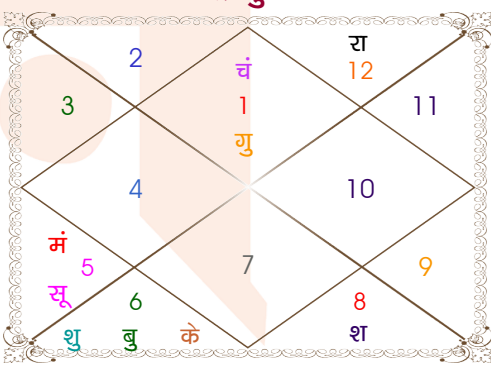

नवमांश कुंडली

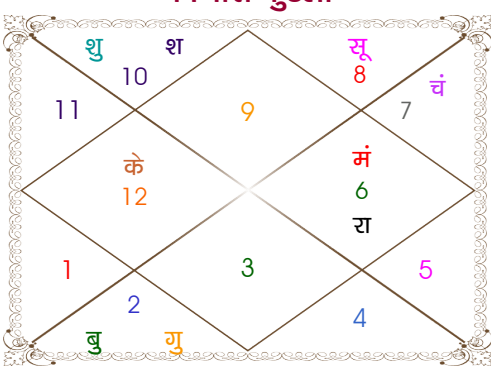

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 9 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/09/1987		03/07/1996		03/07/2002		03/07/2012		04/07/2019	
03/07/1996		03/07/2002		03/07/2012		04/07/2019		03/07/2037	
	00/00/0000	सूर्य	20/10/1996	चंद्र	04/05/2003	मंगल	29/11/2012	राहु	16/03/2022
	00/00/0000	चंद्र	21/04/1997	मंगल	03/12/2003	राहु	17/12/2013	गुरु	08/08/2024
	00/00/0000	मंगल	27/08/1997	राहु	03/06/2005	गुरु	23/11/2014	शनि	15/06/2027
	00/00/0000	राहु	22/07/1998	गुरु	03/10/2006	शनि	02/01/2016	बुध	02/01/2030
	12/09/1987	गुरु	10/05/1999	शनि	03/05/2008	बुध	29/12/2016	केतु	20/01/2031
गुरु	03/05/1989	शनि	21/04/2000	बुध	02/10/2009	केतु	27/05/2017	शुक्र	20/01/2034
शनि	03/07/1992	बुध	25/02/2001	केतु	03/05/2010	शुक्र	28/07/2018	सूर्य	15/12/2034
बुध	04/05/1995	केतु	03/07/2001	शुक्र	02/01/2012	सूर्य	02/12/2018	चंद्र	15/06/2036
केतु	03/07/1996	शुक्र	03/07/2002	सूर्य	03/07/2012	चंद्र	04/07/2019	मंगल	03/07/2037

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/07/2037		03/07/2053		03/07/2072		03/07/2089		03/07/2096	
03/07/2053		03/07/2072		03/07/2089		03/07/2096		00/00/0000	
गुरु	21/08/2039	शनि	06/07/2056	बुध	29/11/2074	केतु	29/11/2089	शुक्र	02/11/2099
शनि	04/03/2042	बुध	16/03/2059	केतु	27/11/2075	शुक्र	29/01/2091	सूर्य	03/11/2100
बुध	08/06/2044	केतु	24/04/2060	शुक्र	26/09/2078	सूर्य	06/06/2091	चंद्र	04/07/2102
केतु	15/05/2045	शुक्र	24/06/2063	सूर्य	03/08/2079	चंद्र	05/01/2092	मंगल	03/09/2103
शुक्र	14/01/2048	सूर्य	05/06/2064	चंद्र	01/01/2081	मंगल	02/06/2092	राहु	03/09/2106
सूर्य	02/11/2048	चंद्र	05/01/2066	मंगल	30/12/2081	राहु	21/06/2093	गुरु	13/09/2107
चंद्र	04/03/2050	मंगल	14/02/2067	राहु	18/07/2084	गुरु	28/05/2094		00/00/0000
मंगल	07/02/2051	राहु	20/12/2069	गुरु	24/10/2086	शनि	07/07/2095		00/00/0000
राहु	03/07/2053	गुरु	03/07/2072	शनि	03/07/2089	बुध	03/07/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।